कानपुर, शुक्रवार 24 दिसम्बर, 2021
** नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रुपया
हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
वाराणसी | गोरखपुर | प्रयागराज
कानपुर (झांसी) | लखनऊ
आगरा | बरेली | पटना
रांची (धनबाद संस्करण)
जमशेदपुर
online Edition
www.ajhindidaily.com
आज
अधिकतम 22.2 डि.से.
न्यूनतम 4.0 डि.से.

10 ब्रायन लारा

करीना कपूर 12

वृक्ष प्रकृति का बहुत बड़ा वरदान हैं:अरूणाचलम

किसानों को उपहार प्रदान करते हुए। छाया-आज

(आज समाचार सेवा)

झांसी, 23 दिसम्बर। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में किसान दिवस का आयोजन निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम गणेशगढ़ के प्रगतिशील किसान बालक दास राजपूत एवं वीर सिंह राजपूत मौजूद रहें। बालक दास ने बताया कि उन्होंने अपने खेत पर 750 से भी ज्यादा वृक्ष लगा रखे हैं जिनकी 150 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जो कि उनके लिए निरन्तर आय का स्रोत हैं। वीर सिंह राजपूत ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से स्वयं कैंचुआ खाद का निर्माण करके प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का बहुत बड़ा वरदान हैं। यह भूमि के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक हैं। पर्यावरण के चक्र को बनाये रखता है और हमें फ्ल, फूल, लकड़ी और ऑक्सीजन भी देता है। डा. अरूणाचलम ने ''जय किसान-जय विज्ञान-जय अनुसंधान-जय कृषिवानिकी'' का नारा बोलकर सभी से एक स्वर में बुलवाया। डॉ. अरूणाचलम ने कहा कि किसान दिवस कार्यक्रम में किसानों का विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होने पर कार्यक्रम में विशेषता आ जाती है।

किसान दिवस के उपरान्त तकनीकी सत्र में देश के ख्याति प्राप्त कृषि वैज्ञानिक डा. पी. एल. गौतम, पूर्व कुलपति, पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय, पन्तनगर, उत्तराखण्ड ने वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वृक्ष आवरण बढ़ाने हेतु कृषिवानिकी ही उत्तम विकल्प है। उन्होने कहा कि किसानों के खेत में नयी तकनीकी के माध्यम से कृषिवानिकी को अपनाये जाने की अति आवश्यकता है।

इस अवसर पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रभारी अधिकारी राजभाषाा श्री सुनील कुमार ने राजभाषा संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कृषिवानिकी संस्थान में सतत् स्वच्छता कार्यक्रम विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से किया गया। डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने मंचासीन गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए भारत के पूर्व एव पाँचवें प्रधान मंत्री स्व. श्री चरण सिंह चौधरी के बारे में बताते हुए 23 दिसम्बर को उनके जन्मदिन को किसान दिवस के रूप में पूरे देश में आयोजित किये जाने के बारे में जानकारी दी। चौधरी चरण सिंह को किसानों के मसीहा के रूप में जाना जाता है। इस अवसर पर अनुसुचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत महिला कृषकों को सिलाई मशीन वितरित की गई, जिसका समन्वयन डॉ. इन्दर देव ने किया। इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, आर.ए./एस.आर.एफ/फील्ड असिस्टेन्ट, कृषक, महिला कृषक एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार ने किया।

स्वदेश | स्मार्ट झांसी | झांसी, शुक्रवार, 24 दिसम्बर 2021 | 2

कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान ने किसान दिवस मनाया

झांसी। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में किसान दिवस का आयोजन निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम गणेशगढ़ के प्रगतिशील किसान बालक दास राजपूत एवं वीर सिंह राजपूत मौजूद रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का बहुत बड़ा वरदान हैं। यह भूमि के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक हैं। पर्यावरण के चक्र को बनाये रखता है और हमें फ्ल, फूल, लकड़ी और ऑक्सीजन भी देता है। किसान दिवस के उपरान्त तकनीकी सत्र में देश के ख्याति प्राप्त कृषि वैज्ञानिक डा. पी. एल. गौतम, पूर्व कुलपति, पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय, पन्तनगर, उत्तराखण्ड ने वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वृक्ष आवरण बढ़ाने हेतु कृषिवानिकी ही उत्तम विकल्प है। उन्होने कहा कि किसानों के खेत में नयी तकनीकी के माध्यम से कृषिवानिकी को अपनाये जाने की अति आवश्यकता है। इस अवसर पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रभारी अधिकारी राजभाषा सुनील कुमार ने राजभाषा संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कृषिवानिकी संस्थान में सतत् स्वच्छता कार्यक्रम विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की शुरूआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से किया गया। संचालन डॉ. प्रियंका सिंह ने